Daily Gospel Reflections in Hindi

28 August 2019

मत्ति 5 : 13 - 19

You are the light of the world and salt of the earth

हम सभी नमक के औषधीय गुणों के बारे में जानते हैं। नमक को सुरक्षा कवच के रुप में प्रयोग किया जाता है। भोजन कितना भी मसालेदार क्यों ना हो लेकिन उसका अंतिम स्वाद का निर्धारण नमक से ही होता है। लेकिन जैंसा कि प्रभु ने कहा अगर उस का नमकीन खो जाए तो वह किसी काम का नही रह जाता और उस के बाकी के गुण भी खत्म हो जाते हैं। यह स्पष्ट है कि इस दृष्टांत के द्वारा प्रभु हम से चाहते है कि हम समाज के नमक बनें और यह स्वाद हमें प्रभु और उनकी शिक्षा से मिलता है। यदि हम में यह नमक नही ंतो हमारा हश्र भी बिना नमकीन के नमक के समान होगा। हम ना केवल अपनी पहचान नष्ट कर लेते बल्कि अस्तित्व भी मिटा लेते हैं।

इसके बाद प्रभु स्वर्ग राज्य की तुलना दीपक से करते हैं। जब रात अन्धेरी हो तब रोशनी की एक किरण हमें राह दिखा देती है। और जिस के पास रोशनी हो वह छिप नहीं सकता। रोशनी का एक मात्र उद्धेश्य होता है सब को रोशन करना। जब दीपक ऊँचाईं पर हो तब उस की चमक दूर से देखी जा सकती हैं । प्रभु हम से चाहते हैं कि हम वो दीपक बनें जिस की रोशनी दूर से अंधकार में रहने वाले को सही रास्ता दिखा सके। प्रभु ने हमें लागों का पथप्रदर्शक बन ने को बुलाया है लेकिन हमारा लक्ष्य स्वयं प्रभु येसु हाना चाहिए। आमेंन

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019